☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय (प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ) **जनसंदेश टाइम्स** **Office of the Registrar (Press & Publicity Cell)**

दिनांक : 28.03.2019

सुविधा : पर्यटन को बढ़ावा देगा एप

तालाबों को स्वच्छ करने के लिए संस्थान में चल रहा शोध कार्य

वाराणसी। आईआईटी (बीएचयू), आईआईटी खड़गपुर के संयुक्त तत्वावधान में अटलांटा, यूएसए के जार्जिया टेक विश्वविद्यालय के सहयोग से वाराणसी शहर का भ्रमण किया गया। वाराणसी के पर्यटन को विकसित करने के लिए एक एप और ब्रोशर तैयार किया जा रहा है, इसके अंतर्गत हेरीटेज वाक, काशी की महत्वता बताते भवन, पुराने वास्तुशिल्प के आधार पर बने भवनों, लुप्त होते पौराणिक मंदिरों का इतिहास, पंचक्रोशी यात्रा, मान महल घाट स्थित वेधशाला की जानकारी नए तरीके से पेश की जाएगी।

यह बातें संस्थान में चल रहे प्रोजेक्ट वाराणसी के समन्वयक और केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो.आरएस सिंह ने बतायी। वह शहर की सांस्कृतिक और धार्मिक महत्वतता को पूरी दुनिया से रूबरू कराने के लिए आईआईटी (बीएचयू) में देश-विदेश से आए शिक्षाविदों ने बीते दिनों संस्थान में चल रहे प्रोजेक्ट वाराणसी और आईआईटी खड़गपुर के प्रोजेक्ट संधी-एक विज्ञान के संयुक्त तत्वावधान में संस्थान स्थित गेस्ट हाउस में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें शहर के धार्मिक पर्यटन स्थल, परिवहन और पर्यटन विषय पर गहन मंत्रणा की गई। अगले महीने संस्थान से विशेषज्ञों की टीम यूएसए स्थित जार्जिया विश्वविद्यालय में आयोजित वर्कशाप में शिरकत करेगी जहां विकसित शहरों का रोल माडल तैयार कर वाराणसी में विकास की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

आईआईटी देगा मदद

शहर की धार्मिक व पौराणिक महत्वता को नई दिशा

देश-विदेश के विशेषज्ञों ने कार्यशाला में रखे विचार

वैक्टेरिया आधारित शोध कार्य पर चर्चा

आईआईटी बीएचयू में सात दिन तक चले कार्यशाला में शहर के तालाबों की सफाई के लिए बैक्टीरिया आधारित शोध कार्य पर चर्चा की गई। इस पर संस्थान में कार्य शुरू हो चुका है। प्रदूषण की बाबत चर्चा होने पर विशेषज्ञों ने माना कि शहर में निर्माण कार्य होने और डीजल-पेट्रोल के वाहनों की अधिकता से प्रदूषण स्तर बढ़ता जा रहा है। प्रोफेसर आरएस सिंह ने बताया कि अगले महीने 18 से 23 अप्रैल तक यूएसए स्थित जार्जिया विश्वविद्यालय में छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, इसमें वाराणसी में किये जाने वाले कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी और विशेषज्ञों से अगले कदम की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी। संस्थान में आयोजित कार्यशाला में संस्थान से प्रो.आरएस सिंह, डा. अंकित गुप्ता, डा.अमृता द्विवेदी, डा. स्वस्ति मिश्रा और डा. अभिषेक मुद्गल, आईआईटी खड़गपुर से प्रोजेक्ट संधी के समन्वयक प्रो.जाय सेन, प्रो.भार्गव मैत्रा, डा.एके गोस्वामी, डा.साकेत पाल और जार्जिया टेक विश्वविद्यालय से प्रो. सुब्रोजित गुहाठाकुरता और प्रो.शिवा कुमार आदि उपस्थित रहे।